अनुप्रयुक्त हिन्दी में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(BAAHD)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2026 एवं जनवरी, 2027 सत्र के लिए)

BSKE-143 संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

BSKE-143

सत्रीय कार्य (2024–2025)

पाठ्यक्रम कोड : BSKE-143/2026-2027

प्रिय छात्रों / छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है:

अनुक्रमांक:..
नाम:..
पता:...
दिनांक:...

पाठ्यक्रम का नाम / कोड:.......................
सत्रीय कार्य कोड:....................................
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड.................................

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :

- **जुलाई 2026 में प्रवेश लिए छात्रों के लिए – 31 मार्च, 2027**
- **जनवरी 2027 में प्रवेश लिए छात्रों के लिए : 30 सितंबर, 2027**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवसिथत कीजिए।

2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

   ख) आपका उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

   ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

   शुभकामनाओं के साथ।

शुभकामनाओं सहित!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : **BSKE-143**
संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

सत्रीय कार्य – **BSKE-143/TMA/2026 -2027**
पूर्णांक – 100

नोट : इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड–1 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखें। 20 × 3 = 60

प्रश्न 1. भारतीय दर्शन के महत्वपूर्ण तत्वों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2. धर्म के स्वरूप का वर्णन करते हुए उनके प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

प्रश्न 3. गीता के स्वधर्म और कर्मयोग का उदाहरण सहित वर्णन करें।

प्रश्न 4. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व कौन–कौन से हैं? उनका विकास कैसे हुआ, स्पष्ट करें ?

खण्ड–2 लघुउतरीय प्रश्न

निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लिखिए। 10 × 2 = 20

प्रश्न 5. भारतीय दर्शन की विशिष्टाताओं पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 6. पुरुषार्थ की अवधारणा क्या है ? स्पष्ट करें।

प्रश्न 7. भारतीय संस्कारों का सामाजिक एवं वैज्ञानिक विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–3 अतिलघु उतरीय प्रश्न

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर उत्तर लिखें। 5× 4 = 20
क) स्वधर्म
ख) बहुसांस्कृतिक समाज
ग) पुरुषार्थ चतुष्टय
घ) त्रिविद कर्म
ड़) स्थितप्रज्ञ
च) आदर्शवाद, यथार्थवाद